



दुर्ग, दिनांक : 04.02.2025

// प्रेस विज्ञप्ति //

## विश्व आर्द्र भूमि दिवस

शासकीय डॉ. वा. वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.) भूगोल विभाग के तत्वाधान में बसंत पंचमी और विश्व आर्द्र भूमि दिवस मनाया गया। इस उपलक्ष्य पर महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. रंजना श्रीवास्तव ने कहा कि 2 फरवरी 1971 को आर्द्र भूमि विषय पर बैठक हुई। इस बैठक को अपनाने के उपलक्ष्य में हर साल 2 फरवरी को विश्व आर्द्र भूमि दिवस मनाया जाता है। यह आर्द्र भूमि के मूल्यों और कार्यों उनके संसाधनों के उपयोग और उनके पर्यावरण महत्व के बारे में समाज के सभी वर्गों के बीच जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है।

भूगोल विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. सुषमा यादव ने जानकारी देते हुए बताया की विश्व आर्द्र भूमि दिवस 2025 का थीम **'PROTECTING WETLANDS FOR OUR COMMON FUTURE'** है जो हमारे जीवन को बेहतर बनाने में आर्द्र भूमि की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करती है यह थीम इस बात पर प्रकाश डालती है कि आर्द्र भूमि बाढ़, सुरक्षा, स्वच्छ जल, जैव विविधता और मनोजरंजन के अवसरों में कैसे योगदान देती है। जो सभी मानव स्वास्थ्य और समृद्धि के लिए आवश्यक है।

सहायक प्राध्यापक श्री नितिन कुमार देवांगन जनभागीदारी ने इस कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रकट करते हुए कहा कि आर्द्र भूमि विश्व के सबसे उत्पादक पारिस्थितिक तंत्रों में से एक है। और वन्य जीव संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण है। आर्द्र भूमि हमें जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने और महत्वपूर्ण मीठे पानी के संसाधनों को सुरक्षित करने में मदद करती है।

इस कार्यक्रम में प्रयोगशाला तकनीशियन श्रीमती सुनीता कुमारी बेर एवं एम.ए. द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर बी.ए. अंतिम वर्ष की छात्राएँ उपस्थित रही।



समाचार के रूप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

(डॉ० रंजना श्रीवास्तव)  
प्राचार्य

शास० डॉ० वा० वा० पाटणकर कन्या  
स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ०ग०)